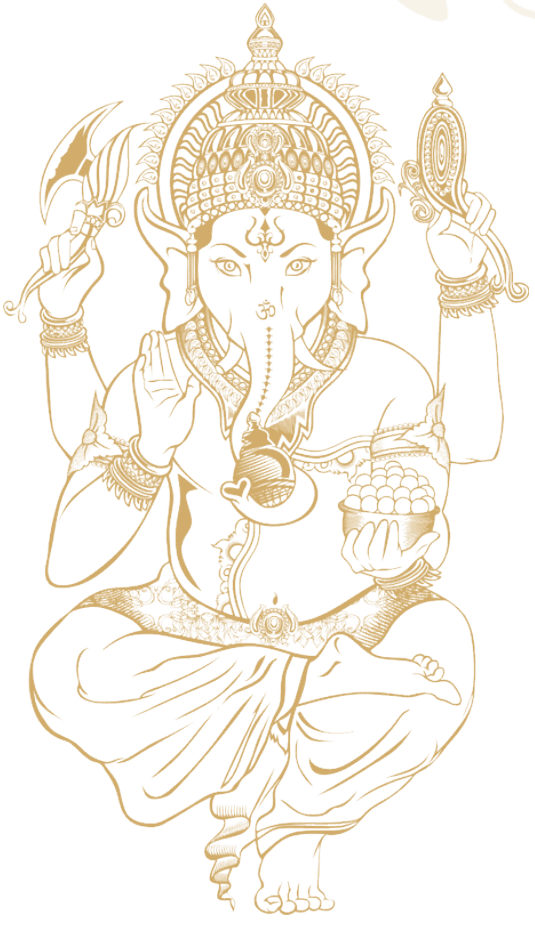

Himanshu

09 Dec 2000

02:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121658630

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/12/2000**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**14:00:00 घंटे**
इष्ट	17:23:14 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:07:34 घंटे
साम्पातिक काल	18:52:26 घंटे
सूर्योदय	07:02:42 घंटे
सूर्यास्त	17:24:32 घंटे
दिनमान	10:21:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	23:42:38 वृश्चिक
लग्न के अंश	24:40:16 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शिव
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लो-लोकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	24:40:16	500:25:25	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	23:42:38	01:00:57	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			मेष	26:23:40	14:10:37	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	सम राशि
मंगल			कन्या	27:37:47	00:36:03	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
बुध		अ	वृश्चि	14:39:09	01:33:09	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
गुरु	व		वृष	10:46:31	00:07:46	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			मक	07:17:17	01:10:03	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	मित्र राशि
शनि	व		वृष	02:04:04	00:04:21	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	21:52:58	00:04:16	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	21:52:58	00:04:16	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
हर्ष			मक	23:49:35	00:02:07	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
नेप			मक	10:44:15	00:01:41	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	19:03:18	00:02:19	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			धनु	18:11:28	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:55

लग्न-चलित

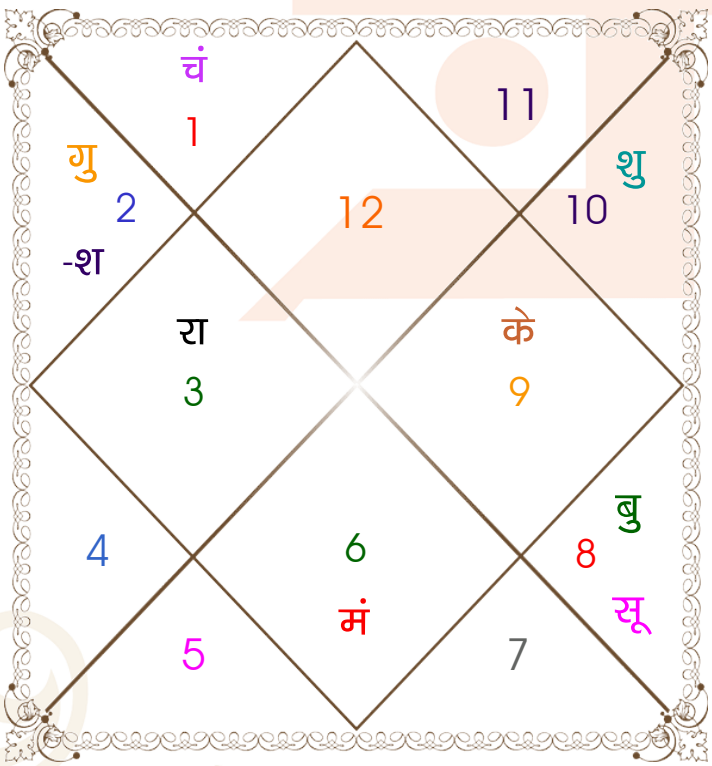

चन्द्र कुंडली

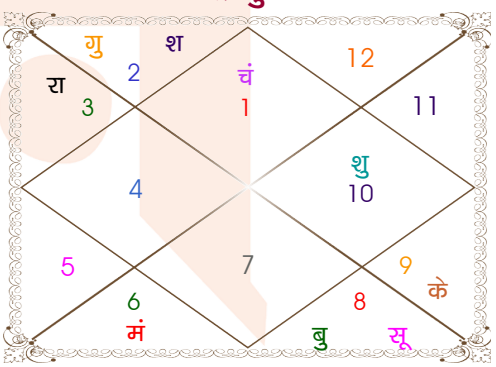

नवमांश कुंडली

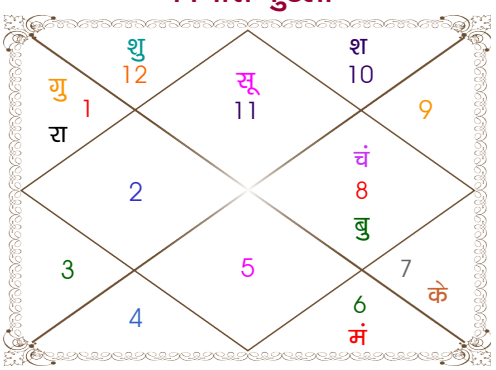

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 0 वर्ष 4 मास 27 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
09/12/2000		07/05/2001		08/05/2007		07/05/2017		07/05/2024	
07/05/2001		08/05/2007		07/05/2017		07/05/2024		07/05/2042	
	00/00/0000	सूर्य	25/08/2001	चंद्र	07/03/2008	मंगल	03/10/2017	राहु	18/01/2027
	00/00/0000	चंद्र	23/02/2002	मंगल	06/10/2008	राहु	22/10/2018	गुरु	13/06/2029
	00/00/0000	मंगल	01/07/2002	राहु	07/04/2010	गुरु	28/09/2019	शनि	19/04/2032
	00/00/0000	राहु	26/05/2003	गुरु	07/08/2011	शनि	06/11/2020	बुध	06/11/2034
	00/00/0000	गुरु	13/03/2004	शनि	07/03/2013	बुध	03/11/2021	केतु	25/11/2035
	00/00/0000	शनि	23/02/2005	बुध	07/08/2014	केतु	01/04/2022	शुक्र	24/11/2038
	00/00/0000	बुध	31/12/2005	केतु	08/03/2015	शुक्र	01/06/2023	सूर्य	19/10/2039
	09/12/2000	केतु	07/05/2006	शुक्र	06/11/2016	सूर्य	07/10/2023	चंद्र	19/04/2041
केतु	07/05/2001	शुक्र	08/05/2007	सूर्य	07/05/2017	चंद्र	07/05/2024	मंगल	07/05/2042

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
07/05/2042		07/05/2058		07/05/2077		07/05/2094		08/05/2101	
07/05/2058		07/05/2077		07/05/2094		08/05/2101		10/12/2120	
गुरु	25/06/2044	शनि	10/05/2061	बुध	04/10/2079	केतु	04/10/2094	शुक्र	07/09/2104
शनि	06/01/2047	बुध	18/01/2064	केतु	30/09/2080	शुक्र	04/12/2095	सूर्य	07/09/2105
बुध	13/04/2049	केतु	26/02/2065	शुक्र	01/08/2083	सूर्य	10/04/2096	चंद्र	09/05/2107
केतु	20/03/2050	शुक्र	28/04/2068	सूर्य	06/06/2084	चंद्र	09/11/2096	मंगल	08/07/2108
शुक्र	18/11/2052	सूर्य	10/04/2069	चंद्र	06/11/2085	मंगल	07/04/2097	राहु	09/07/2111
सूर्य	06/09/2053	चंद्र	09/11/2070	मंगल	03/11/2086	राहु	25/04/2098	गुरु	09/03/2114
चंद्र	06/01/2055	मंगल	19/12/2071	राहु	22/05/2089	गुरु	01/04/2099	शनि	08/05/2117
मंगल	13/12/2055	राहु	25/10/2074	गुरु	28/08/2091	शनि	11/05/2100	बुध	08/03/2120
राहु	07/05/2058	गुरु	07/05/2077	शनि	07/05/2094	बुध	08/05/2101	केतु	10/12/2120

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 0 वर्ष 4 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।